



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब रेसरी	6-1-24	4	3-6

### शिक्षकों को नई तकनीकों व प्रौद्योगिकियों से अपडेट होना जरूरी: प्रो. काम्बोज

हिसार, 5 जनवरी (ब्यूरो): राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किसी भी शैक्षणिक संस्थान को पहचान दिलाने में योग्य और कुशल फैकल्टी की अहम भूमिका होती है।

इसलिए वैज्ञानिकों को चाहिए कि वे समय के साथ अपडेट होकर अपने अंदर साकारात्मक विचार, अनुशासन, ईमानदारी, मेहनत, लगन, कर्तव्यनिष्ठता व जिज्ञासा को धारण कर अपना व्यक्तित्व व कौशल विकास करें।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में 30



हकूवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स में उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए।

दिवसीय इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने कहा कि दुनिया के साथ-साथ शिक्षा क्षेत्र में भी बड़ी तेजी के साथ बदलाव आ रहे हैं। ये बदलाव नई-नई तकनीकें,

प्रौद्योगिकियों व शोध का परिणाम हैं। इन्हें अधिक से अधिक अपनाना समय की मांग है। अगर हम इन्हें अपनाने के साथ-साथ अपने कौशल व व्यक्तित्व का भी विकास करेंगे तो निश्चित रूप से हमारा शिक्षण संस्थान ऊंची बुलंदियों को छूकर अपनी अनूठी

पहचान बनाएगा।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु महता ने बताया कि इस कोर्स में विश्वविद्यालय सहित महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल से 34 नवनियुक्त फैकल्टी सदस्य भाग ले रहे हैं।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दीन 5 जनवरी	8-1-24	2	2-4

### शिक्षकों को अपडेट होना जरूरी: कुलपति



कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स में प्रतिभागियों को संबोधित करते। • पीआरओ

जागरण संवाददाता, हिसार: दुनिया के साथ-साथ शिक्षा क्षेत्र में भी बड़ी तेजी के साथ बदलाव आ रहे हैं। ये बदलाव नई-नई तकनीकें, प्रौद्योगिकियों व शोध का परिणाम है। शिक्षकों को नई तकनीकों व प्रौद्योगिकियों से अपडेट होना जरूरी है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में 30 दिवसीय इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स

के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु महता ने कहा कि 4 फरवरी तक चलने वाले इस 30 दिवसीय इंडक्शन ट्रेनिंग में आयोजित सत्रों में वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभागियों के व्यक्तित्व व कौशल विकास कर उनका ज्ञानवर्धन किया जाएगा। इस अवसर पर कोर्स संयोजक डा. जितेंद्र भाटिया, कोर्स सह-समन्वयक डा. अमोघवर्षा व डा. जयंति टोकस भी उपस्थित रहे।

### गैर शिक्षक कर्मचारी संघ कुलपति से मिला

जागरण संवाददाता, हिसार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गैर शिक्षक कर्मचारी संघ का प्रतिनिधिमंडल कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज से मिला। संघ के महासचिव राजेश परूथी ने कुलपति को एस स्वामीनाथन अवार्ड मिलने पर खुशी जताई। राजेश परूथी ने बताया कि कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए कुलपति का विशेष योगदान रहा है। संघ ने कहा कि मांगों का हमेशा संज्ञान लिया है।

इस अवसर पर राजेंद्र, ममता, राजेश ग्रेवाल, राजेश भारती, राजेश छाछिया, भूपेंद्र, अमन, पवन, सुभाष क्लर्क, रतन, अनिल, इश्वर सोनी, मोनिका आदि मौजूद थे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उज्ज्वल समाचार	8-1-24	9	1-3

### शिक्षा क्षेत्र में आ रहे तेजी से बदलाव : प्रो. बी. आर. काम्बोज



हकूवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स में उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए।

हिसार, 5 जनवरी (विरेन्द्र वर्मा) : राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किसी भी शैक्षणिक संस्थान को पहचान दिलाने में योग्य और कुशल फैकल्टी की अहम भूमिका होती है। इसलिए वैज्ञानिकों को चाहिए कि वे समय के साथ अपडेट होकर अपने अंदर साकारात्मक विचार, अनुशासन, ईमानदारी, मेहनत, लगन, कर्तव्यनिष्ठता व जिज्ञासा को धारण कर अपना व्यक्तित्व व कौशल विकास करें। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में 30

दिवसीय इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। यह इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स उपरोक्त निदेशालय के कृषि अनुसंधान और शिक्षा प्रबंधन अकादमी द्वारा नवनियुक्त शिक्षकों व वैज्ञानिकों के लिए आयोजित किया जा रहा है। मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने कहा कि दुनिया के साथ-साथ शिक्षा क्षेत्र में भी बड़ी तेजी के साथ बदलाव आ रहे हैं। ये बदलाव नई-नई तकनीकें, प्रौद्योगिकियों व शोध का परिणाम है। इन्हें अधिक से अधिक अपनाना समय की मांग है। अगर हम इन्हें अपनाने के साथ-साथ अपने कौशल व व्यक्तित्व का भी विकास

करेंगे तो निश्चित रूप से हमारा शिक्षण संस्थान ऊंची बुलंदियों को छूकर अपनी अनूठी पहचान बनाएगा। मुख्यातिथि ने विश्वविद्यालय में विश्व स्तरीय उपलब्ध सुविधाओं, पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। उन्होंने उपस्थित नवनियुक्त शिक्षाविदों से आह्वान किया कि वे आपस में संवाद करें। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि वे प्रशिक्षण से प्राप्त जानकारियों के माध्यम से नए-नए आइडिया, शोध व प्रोजेक्ट तैयार करें ताकि किसानों से प्रत्यक्ष रूप से जुड़कर उनको फ़िल्ड में वे समुचित सुविधाएं, तकनीकें उपलब्ध करवाई जा सकें, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाया जा सके। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता ने मुख्य अतिथि एवं उपस्थित अधिकारियों का स्वागत किया और हाल में ही विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज को कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर मिले एम.एस. स्वामीनाथन अवार्ड पर उन्हें बधाई भी दी।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिनांक भास्कर 2	6-1-24	3	7-8

### शिक्षकों के लिए नई तकनीकों से अपडेट होना जरूरी: प्रो. काम्बोज



भास्कर न्यूज़ | हिसार

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किसी भी शैक्षणिक संस्थान को पहचान दिलाने में योग्य और कुशल फैकल्टी की अहम भूमिका होती है। इसलिए वैज्ञानिकों को चाहिए कि वे समय के साथ अपडेट होकर अपने अंदर सकारात्मक विचार, अनुशासन, ईमानदारी, मेहनत, लगन, कर्तव्यनिष्ठता व जिज्ञासा को धारण कर अपना व्यक्तित्व व कौशल विकास करें। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन

प्रबंधन निदेशालय में 30 दिवसीय इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स उपरोक्त निदेशालय के कृषि अनुसंधान और शिक्षा प्रबंधन अकादमी द्वारा नवनियुक्त शिक्षकों व वैज्ञानिकों के लिए आयोजित किया जा रहा है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता ने हाल में ही विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज को कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर मिले एमएस स्वामीनाथन अवार्ड पर उन्हें बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि 5 जनवरी से 4 फरवरी तक चलने वाले इस 30 दिवसीय इंडक्शन ट्रेनिंग सत्रों की जानकारी दी।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि	6-1-24	9	3-5

## एचएयू में होगा 30 दिवसीय इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स शिक्षकों को नई तकनीकों से अपडेट होना जरूरी : प्रो. काम्बोज

कोर्स में विश्वविद्यालय  
सहित एमएचयू, करनाल  
के नवनियुक्त वैज्ञानिक  
ले रहे भाग

हरिभूमि न्यूज ►► हिसार

राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी भी शैक्षणिक संस्थान को पहचान दिलाने में योग्य और कुशल फैकल्टी की अहम भूमिका होती है। इसलिए वैज्ञानिकों को चाहिए कि वे समय के साथ अपडेट होकर अपने अंदर साकारात्मक विचार, अनुशासन, ईमानदारी, मेहनत, लगन, कर्तव्यनिष्ठता व जिज्ञासा को धारण कर अपना व्यक्तित्व व कौशल विकास करें।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कही। वे शुक्रवार को विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में 30 दिवसीय इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स के शुभारंभ



हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स में उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स उपरोक्त निदेशालय के कृषि अनुसंधान और शिक्षा प्रबंधन अकादमी द्वारा नवनियुक्त शिक्षकों व वैज्ञानिकों के लिए आयोजित किया जा रहा है।

इस कोर्स में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय सहित महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल से कुल 34 नवनियुक्त फैकल्टी सदस्य भाग ले रहे हैं। कुलपति ने कहा कि दुनिया के साथ-साथ शिक्षा

### ये रहे मौजूद

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता ने मुख्य अतिथि एवं उपस्थित अधिकारियों का स्वागत किया और हाल में ही विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज को कृषि क्षेत्र में

उत्कृष्ट कार्य करने पर मिले एमएस स्वामीनाथन अवार्ड पर उन्हें बधाई भी दी। इस मौके पर कोर्स संयोजक डॉ. जितेंद्र भाटिया, डॉ. विनोद, डॉ. अमोघ वर्मा व डॉ. जयति टोकरस भी उपस्थित रहे।

क्षेत्र में भी बड़ी तेजी के साथ बदलाव आ रहे हैं।

ये बदलाव नई-नई तकनीकें, प्रौद्योगिकियों व शोध का परिणाम है। इन्हें अधिक से अधिक अपनाना समय की मांग है। अगर

हम इन्हें अपनाने के साथ-साथ अपने कौशल व व्यक्तित्व का भी विकास करेंगे तो निश्चित रूप से हमारा शिक्षण संस्थान ऊंची बुलंदियों को छूकर अपनी अनूठी पहचान बनाएगा।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	6.1.24	4	7-8

### एचएयू कुलपति को गैर शिक्षक कर्मियों ने दी बधाई



हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के सदस्यों ने कुलपति प्रो. बीआर कांबोज को एमएस स्वामीनाथन अवॉर्ड मिलने पर बधाई दी। संघ के प्रधान राजेश परुधी के नेतृत्व में पहुंचे कर्मियों ने भरोसा दिलाया कि संघ विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए हर स्तर पर सहयोग करेगा। इस मौके पर राजेंद्र, ममता, राजेश ग्रेवाल, राजेश भारती, राजेश छाछिया, भूपेंद्र, अमन, पवन, सुभाष, रत्न, अनिल पिंटा, ईश्वर सोनी, मोनिका, कालू प्रधान, जोगेंद्र, सतीश आदि उपस्थित रहे। संवाद



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

अमर उजाला

6-1-24

4

4-5

### शिक्षकों को नई तकनीकों से अपडेट होना जरूरी : प्रो. कांबोज



एचएयू के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स में उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए। स्रोत संस्थान

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में 30 दिवसीय इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स का शुभारंभ किया।

बतौर मुख्य अतिथि कुलपति ने कहा कि समय के साथ अपडेट होकर अपने अंदर सकारात्मक विचार, अनुशासन को धारण कर अपना व्यक्तित्व व कौशल विकास करें। दुनिया के साथ-साथ शिक्षा क्षेत्र में भी बड़ी तेजी के साथ बदलाव आ रहे हैं। ये बदलाव नई-नई तकनीकें,

प्रौद्योगिकियों व शोध का परिणाम है।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता ने बताया कि 5 जनवरी से 4 फरवरी तक चलने वाले इस 30 दिवसीय इंडक्शन ट्रेनिंग में आयोजित सत्रों में वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभागियों के व्यक्तित्व व कौशल विकास कर उनका ज्ञानवर्धन किया जाएगा।

इस कोर्स में एचएयू सहित महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल से कुल 34 नवनियुक्त फैकल्टी सदस्य भाग ले रहे हैं। ब्यूरो



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समर उजाला	8-1-24	2	1-2

### फूलगोभी, बंदगोभी और गांठगोभी की जरूरत के मुताबिक करें सिंचाई

हिसार। किसान भाई फूलगोभी, बंदगोभी व गांठगोभी की आवश्यकतानुसार सिंचाई करें और तैयार फूलों व गांठों को काटकर निकालें। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के अनुसार पछेती किस्मों के खेत की उचित निराई-गोड़ाई करें और नाइट्रोजन खाद से टॉप ड्रेसिंग करें। कीटों का आक्रमण होने पर 400 मिलीलीटर मैलाथियान 50 ईसी को 250 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ छिड़कें।



जरूरत पड़ने पर यही छिड़काव 10 दिन बाद दोबारा करें।

कृषि वैज्ञानिकों के मुताबिक पालक के लिए भी नियमित

सिंचाई करें। नाइट्रोजन खाद का प्रयोग करें और सिंचाई करते रहे। पालक की नई बिजाई भी की जा सकती है। कद्दू जाति की अगोती फसल के लिए पॉलीथीन के लिफाफों में या प्लास्टिक ट्रे में की गई बिजाई की देखभाल करें। इन्हें पाले से बचाएं। खेत की तैयारी करें। कद्दू जाति की फसल जैसे तरबूज, खरबूजा, लौकी, तोरी, टिंडा, चप्पल कद्दू, करेला कद्दू आदि की बिजाई फरवरी में शुरू हो जाती है। वहीं, सलाद, धनिया, मैथी, जीरा आदि की फसलों की देखभाल करें। भिंडी, ग्वार व लोबिया की बिजाई के लिए खेत को तैयार करें। संवाद





# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स न्यूज	05.01.2024	--	--

## शिक्षा क्षेत्र में आ रहे हैं तेजी से बदलाव, शिक्षकों को नई तकनीकों व प्रौद्योगिकियों से अपडेट होना जरूरी : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार ( चिराग टाइम्स )

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किस्मों भी शैक्षणिक संस्थान को पहचान दिलाने में योग्य और कुशल फैकल्टी की अहम भूमिका होती है। इसलिए वैज्ञानिकों को चाहिए कि वे समय के साथ अपडेट होकर अपने अंदर साकारात्मक विचार, अनुशासन, ईमानदारी, मेहनत, लगन, कर्तव्यनिष्ठता व जिज्ञासा को धारण कर अपना व्यक्तित्व व कौशल विकास करें। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में 30 दिवसीय इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। यह इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स उपरोक्त निदेशालय के कृषि अनुसंधान और शिक्षा प्रबंधन अकादमी द्वारा नवनियुक्त शिक्षकों व वैज्ञानिकों के लिए आयोजित किया जा रहा है। मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने कहा कि दुनिया के साथ-साथ शिक्षा क्षेत्र में भी बड़ी तेजी के साथ बदलाव आ रहे हैं। ये बदलाव नई-नई तकनीकों, प्रौद्योगिकियों व शोध का परिणाम है। इन्हें अधिक से अधिक अपनाना समय की मांग है। अगर हम इन्हें अपनाने के साथ-साथ अपने कौशल व व्यक्तित्व का भी



विकास करेंगे तो निश्चित रूप से हमारा शिक्षण संस्थान ऊंची बुलंदियों को छूकर अपनी अगुआई पहचान बनाएगा। मुख्यातिथि ने विश्वविद्यालय में विश्व स्तरीय उपलब्ध सुविधाओं, पुस्तकालय, पर्योगशालाओं, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। उन्होंने उपस्थित नवनियुक्त शिक्षाविदों से आह्वान किया कि वे आद्यम में सवाद करें। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि वे प्रशिक्षण से प्राप्त जानकारीयों के माध्यम से नए-नए आइडिया, शोध व प्रोजेक्ट तैयार करें ताकि किसानों से प्रत्यक्ष रूप से जुड़कर उनको फिल्ड में वे समुचित सुविधाएं, तकनीकें उपलब्ध कराई जा सकें, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाया जा सके। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता ने मुख्य अतिथि एवं उपस्थित अधिकारियों का स्वागत किया और हाल में ही विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर मिले एम.एस. स्वामीनाथन अवार्ड पर

उन्हें बधाई भी दी। डॉ. महता ने इंडक्शन कोर्स के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए कहा कि 5 जनवरी से 4 फरवरी तक चलने वाले इस 30 दिवसीय इंडक्शन ट्रेनिंग में आयोजित सत्रों में वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभागियों के व्यक्तित्व व कौशल विकास के उनका ज्ञानवर्धन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस कोर्स में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय सहित महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल से कुल 34 नवनियुक्त फैकल्टी सदस्य भाग ले रहे हैं। उपरोक्त निदेशालय के महायक वैज्ञानिक एवं कोर्स सह-समन्वयक डॉ. विनोद ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जबकि मंच संचालन छात्रा सनोवर व जैर्मिन ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित संस्थान से जुड़े सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष सहित कोर्स संयोजक डॉ. जितेंद्र भाटिया, कोर्स सह-समन्वयक डॉ. अमोघवर्षा व डॉ. जयंति टोकस भी उपस्थित रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	05.01.2024	--	--

# शिक्षा क्षेत्र में बदलाव, शिक्षकों को नई तकनीकों व प्रौद्योगिकियों से अपडेट होना जरूरी : प्रो. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी भी शैक्षणिक संस्थान को पहचान दिलाने में योग्य और कुशल फैक्टलरी की अहम भूमिका होती है। इसलिए वैज्ञानिकों को चाहिए कि वे समय के साथ अपडेट होकर अपने अंदर साकारात्मक विचार, अनुशासन, ईमानदारी, मेहनत, लगन, कर्तव्यनिष्ठा व जिज्ञासा को धारण कर अपना व्यक्तित्व व कौशल विकास करें। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में 30 दिवसीय इंटरनल ट्रेनिंग कोर्स के शुभारंभ



मुख्यातिथि प्रो. सी.आर. काम्बोज इंटरनल ट्रेनिंग कोर्स में उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए।

अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यातिथि ने कहा कि दुनिया के साथ-साथ शिक्षा क्षेत्र में भी बड़ी तेजी के साथ बदलाव आ रहे हैं। ये

बदलाव नई-नई तकनीकें, प्रौद्योगिकियों व शोध का परिणाम है। इन्हें अधिक से अधिक अपनाना समय की मांग है। अगर हम इन्हें अपनाने के साथ-साथ अपने कौशल

व व्यक्तित्व का भी विकास करेंगे तो निश्चित रूप से हमारा शिक्षण संस्थान ऊंची कुर्सीयों को छूकर अपनी अनूठी पहचान बनाएगा। मुख्यातिथि ने विश्वविद्यालय में विश्व स्तरीय

उपलब्ध सुविधाओं, पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। उन्होंने उपस्थित नवनियुक्त शिक्षाविदों से आह्वान किया कि वे आपस में संवाद करें। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि वे प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान-कारियों के माध्यम से नए-नए आईडिया, शोध व प्रोजेक्ट तैयार करें ताकि किसानों से प्रत्यक्ष रूप से जुड़कर उनको फिल्ड में वे समुचित सुविधाएं, तकनीकें उपलब्ध करवाई जा सकें, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाया जा सके। इस कोर्स में कुल 34 नवनियुक्त फैक्टलरी सदस्य भाग ले रहे हैं।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	05.01.2024	--	--

## शिक्षा क्षेत्र में आ रहे हैं तेजी से बदलाव, शिक्षकों का नई तकनीकों व प्रौद्योगिकियों से अपडेट होना जरूरी : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विद्यार्थी भी शैक्षणिक संस्थाओं को पढ़ाव्यय दिखाने में योग्य और कुशल फैकल्टी की अहम भूमिका होती है। इसीलिए वैश्विकता को ध्यान में रखते हुए शिक्षकों के साथ अपडेट होना अपने अंदर साकारतमक विचार, अनुभव, ईमानदारी, ज्ञान, लगन, कर्मनिष्ठा व जिज्ञास को धारण कर अपना व्यक्तित्व व कोशल विकसित करें। ये विचार चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बी.आर. काम्बोज ने कहा। ये विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन विभाग में 30 दिवसीय इंटरनेट ट्रेनिंग कोर्स के शुभारंभ अवसर पर जारी प्रस्तावित संबोधित का रहे थे। यह इंटरनेट ट्रेनिंग कोर्स उपरोक्त विभाग के कृषि अनुसंधान और शिक्षा प्रबंधन अनुसंधान द्वारा नवनिर्भूत शिक्षकों व वैश्विकता के लिए आयोजित किया जा रहा है।



मुख्यअतिथि प्रो. काम्बोज ने कहा कि दुनिया के सशक्त-सशक्त शिक्षा क्षेत्र में भी बहुत तेजी के साथ बदलाव आ रहे हैं। ये बदलाव नई-नई तकनीकों, प्रौद्योगिकियों व सोच का परिणाम है। इन्हें अधिक से अधिक अपनाए समय की मांग है। अगर हम इन्हें अपने-अपने के साथ-साथ

अपने कोशल व व्यक्तित्व का भी विकास करेंगे तो निश्चित रूप से इसका शिक्षण संस्थान अंजीवना होगा। मुख्यअतिथि ने विश्वविद्यालय में विभिन्न राष्ट्रीय उपलब्ध सुविधाओं, पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं, नकलघरों व प्रौद्योगिकियों का

सब उद्योग के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। उन्होंने उच्चतम नवनिर्भूत शिक्षकों से आग्रह किया कि वे अपना में संकाय करें। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि वे प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान-वैशेष्य के माध्यम से नए-नए आईडिया, सोच व प्रोजेक्ट तैयार करें ताकि किसानों से प्रत्यक्ष रूप से जुड़कर उनकी निर्यात में वे सहायता सुविधाएं, तकनीकी उपलब्ध कराई जा सकें, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाया जा सके।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. संजु मल्ला ने मुख्य अतिथि एवं उच्चतम अतिथियों का स्वागत किया और हाल में ही विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज को कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर मिलने एम.एस. स्वामीनाथन अवार्ड पर उन्हें बधाई भी दी। डॉ. मल्ला ने इंटरनेट कोर्स के

आरंभ में विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन को ध्यान में रखते हुए 5 जनवरी से 4 फरवरी तक चलने वाले इस 30 दिवसीय इंटरनेट ट्रेनिंग में अतिरिक्त सत्रों में वैश्विकता को ध्यान में रखते हुए व्यक्तित्व व कोशल विकास कर उनका ज्ञानवर्धन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस कोर्स में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय कृषि विश्वविद्यालय सहित पश्चिम प्रदेश अग्रणी विश्वविद्यालय, उत्तरांचल से कुल 34 नवनिर्भूत फैकल्टी सदस्य भाग ले रहे हैं।

उपरोक्त विभाग के सहकाय वैश्विक एवं कोर्स सहायक डॉ. विनोद ने मुख्य अतिथि एवं उच्चतम अतिथि का स्वागत किया, जबकि मानव संसाधन प्रबंधन प्रमुख डॉ. विनोद ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिपतिमान सशक्त संस्थान से जुड़े सभी महाविद्यालयों के अधिपति, निदेशक, विभागाध्यक्ष सहित कोर्स संयोजक डॉ. जितेंद्र शर्मा, कोर्स सहायक डॉ. अशोकशर्मा व डॉ. जयंत शर्मा को भी उद्दिष्ट की।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

समस्त हरियाणा न्यूज

05.01.2024

--

--

## शिक्षा क्षेत्र में आ रहे हैं तेजी से बदलाव, शिक्षकों को नई तकनीकों व प्रौद्योगिकियों से अपडेट होना जरूरी : प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज  
हिसार, 5 जनवरी। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कितने भी शैक्षणिक संस्थान को पराक्रम दिखाने में योग्य और कुशल फैकल्टी की अहम भूमिका होती है। इसीलिए वैश्वीकरणों को ध्यान में रखते हुए के साथ अपडेट होकर अपने अंदर साकारात्मक विचार, अनुशासन, ईमानदारी, मेहनत, लगन, कर्मबुद्धि तथा जिज्ञासा को धारण कर अपने व्यक्तित्व व क्षमताएं विकसित करें। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। ये विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन विदेशालय में 30 दिवसीय इंटरकॉम ट्रेनिंग कोर्स के शुभारंभ अवसर पर चौधरी मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। यह इंटरकॉम ट्रेनिंग कोर्स उपरोक्त विदेशालय के कृषि अनुसंधान और शिक्षा प्रबंधन अकादमी द्वारा नवनिर्भूत शिक्षकों व वैश्वीकरणों के लिए आयोजित किया जा रहा है। मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने कहा कि दुनिया के साथ-साथ शिक्षा क्षेत्र में भी तेजी से बदलाव आ रहे हैं। ये बदलाव नई-नई तकनीकों, प्रौद्योगिकियों व शोध का परिणाम है। इन्हें अधिक से अधिक अपनाया जाना ही चाहिए। अगर हम इन्हें अपने-अपने के साथ-साथ अपने



कोशल व व्यक्तित्व का भी विकास करेंगे। वे निरंतर रूप से हमारा शिक्षण संस्थान अपनी चुनौतियों को खूब अपनी अजूबी पराक्रम बनाएगा। मुख्यातिथि ने विश्वविद्यालय में विश्व स्तरीय उपलब्ध सुविधाओं, पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं, लाइब्रेरी व प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। उन्होंने उपस्थित नवनिर्भूत शिक्षकों से आग्रह किया कि वे अक्सर में संवाद करें। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि वे शिक्षण से प्राप्त जानकारी को माध्यम

से नए-नए अद्यतन, शोध व प्रोजेक्ट तैयार करें ताकि किसानों से प्रत्यक्ष रूप से जुड़कर उनको फायदा में से समुचित सुविधाएं, तकनीकों उपलब्ध कराई जा सकें, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाया जा सके। मानव संसाधन प्रबंधन विदेशालय डॉ. मंजु बहता ने मुख्य अतिथि एवं उपस्थित अधिकारियों का स्वागत किया और हाल में ही विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज को कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर मिले एम.एस. स्वामीनाथन

अवार्ड पर उन्हें बधाई भी दी। डॉ. बहता ने इंटरकॉम कोर्स के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए कहा कि 5 जनवरी से 4 फरवरी तक चलने वाले इस 30 दिवसीय इंटरकॉम ट्रेनिंग में आयोजित सत्रों में वैश्वीकरणों द्वारा प्रतिभागियों के आचरण व क्षमता विकास कर उनका ज्ञानवर्धन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस कोर्स में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय सहित महाराष्ट्र प्रशासन विश्वविद्यालय, कर्नाटक से कुल 34 नवनिर्भूत फैकल्टी

सदस्य भाग ले रहे हैं। उपरोक्त विदेशालय के सहायक वैश्वीकरण एवं कोर्स सह-समन्वयक डॉ. विनीत ने धन्यवाद प्रस्ताव सौंपकर व संबोधित भी किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित संस्थान से जुड़े सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष सहित कोर्स संयोजक डॉ. जितेंद्र भाटियार, को-सह-समन्वयक डॉ. अमोष्यणी व डॉ. जतिन शोक्सा भी उपस्थित रहे।